Khatu Shyam Chalisa Lyrics with Meaning in English and HIndi – Khatu Dham Sikar

Khatu Shyam Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥
श्री गुरु पदरज शीशधर प्रथम सुमिरू गणेश । ध्यान शारदा ह्रदयधर भजुँ भवानी महेश ॥
चरण शरण विप्लव पड़े हनुमत हरे कलेश । श्याम चालीसा भजत हुँ जयति खाटू नरेश ॥

॥ चौपाई ॥
वन्दहुँ श्याम प्रभु दु:ख भंजन । विपत विमोचन कष्ट निकंदन ॥

सांवल रूप मदन छविहारी । केशर तिलक भाल दुतिकारी ॥

मौर मुकुट केसरिया बागा । गल वैजयंति चित अनुरागा ॥

नील अश्व मौरछडी प्यारी । करतल त्रय बाण दु:ख हारी ॥

सूर्यवर्च वैष्णव अवतारे । सुर मुनि नर जन जयति पुकारे ॥

पिता घटोत्कच मोर्वी माता । पाण्डव वंशदीप सुखदाता ॥

बर्बर केश स्वरूप अनूपा । बर्बरीक अतुलित बल भूपा ॥

कृष्ण तुम्हे सुह्रदय पुकारे । नारद मुनि मुदित हो निहारे ॥

मौर्वे पूछत कर अभिवन्दन । जीवन लक्ष्य कहो यदुनन्दन ॥

गुप्त क्षेत्र देवी अराधना । दुष्ट दमन कर साधु साधना ॥

बर्बरीक बाल ब्रह्मचारी । कृष्ण वचन हर्ष शिरोधारी ॥

तप कर सिद्ध देवियाँ कीन्हा । प्रबल तेज अथाह बल लीन्हा ॥

यज्ञ करे विजय विप्र सुजाना । रक्षा बर्बरीक करे प्राना ॥

नव कोटि दैत्य पलाशि मारे । नागलोक वासुकि भय हारे ॥

सिद्ध हुआ चँडी अनुष्ठाना । बर्बरीक बलनिधि जग जाना ॥

वीर मोर्वेय निजबल परखन । चले महाभारत रण देखन ॥

माँगत वचन माँ मोर्वि अम्बा । पराजित प्रति पाद अवलम्बा ॥

आगे मिले माधव मुरारे । पूछे वीर क्युँ समर पधारे ॥

रण देखन अभिलाषा भारी । हारे का सदैव हितकारी ॥

तीर एक तीहुँ लोक हिलाये । बल परख श्री कृष्ण सँकुचाये ॥

यदुपति ने माया से जाना । पार अपार वीर को पाना ॥

धर्म युद्ध की देत दुहाई । माँगत शीश दान यदुराई ॥

मनसा होगी पूर्ण तिहारी । रण देखोगे कहे मुरारी ॥

शीश दान बर्बरीक दीन्हा । अमृत बर्षा सुरग मुनि कीन्हा ॥

देवी शीश अमृत से सींचत । केशव धरे शिखर जहँ पर्वत ॥

जब तक नभ मण्डल मे तारे । सुर मुनि जन पूजेंगे सारे ॥

दिव्य शीश मुद मंगल मूला । भक्तन हेतु सदा अनुकूला ॥

रण विजयी पाण्डव गर्वाये । बर्बरीक तब न्याय सुनाये ॥

सर काटे था चक्र सुदर्शन । रणचण्डी करती लहू भक्षन ॥

न्याय सुनत हर्षित जन सारे । जग में गूँजे जय जयकारे ॥

श्याम नाम घनश्याम दीन्हा । अजर अमर अविनाशी कीन्हा ॥

जन हित प्रकटे खाटू धामा । लख दाता दानी प्रभु श्यामा ॥

खाटू धाम मौक्ष का द्वारा । श्याम कुण्ड बहे अमृत धारा ॥

शुदी द्वादशी फाल्गुण मेला । खाटू धाम सजे अलबेला ॥

एकादशी व्रत ज्योत द्वादशी । सबल काय परलोक सुधरशी ॥

खीर चूरमा भोग लगत हैं । दु:ख दरिद्र कलेश कटत हैं ॥

श्याम बहादुर सांवल ध्याये । आलु सिँह हृदय श्याम बसाये ॥

मोहन मनोज विप्लव भाँखे । श्याम धणी म्हारी पत राखे ॥

नित प्रति जो चालीसा गावे । सकल साध सुख वैभव पावे ॥

श्याम नाम सम सुख जग नाहीं । भव भय बन्ध कटत पल माहीं ॥

॥ दोहा ॥
त्रिबाण दे त्रिदोष मुक्ति दर्श दे आत्म ज्ञान । चालीसा दे प्रभु भुक्ति सुमिरण दे कल्यान ॥
खाटू नगरी धन्य हैं श्याम नाम जयगान । अगम अगोचर श्याम हैं विरदहिं स्कन्द पुरान ॥

Khatu Shyam Chalisa Meaning in Hindi

दोहा

श्री गुरु पदरज शीशधर प्रथम सुमिरू गणेश।

- मैं सबसे पहले गुरु के चरणों की धूल को मस्तक पर धारण कर भगवान गणेश का स्मरण करता हूँ।

ध्यान शारदा ह्रदयधर भजुँ भवानी महेश।

- हृदय में माँ सरस्वती (शारदा) का ध्यान करते हुए, भगवान शिव और माता भवानी (पार्वती) की भक्ति करता हूँ।

चरण शरण विप्लव पड़े हनुमत हरे कलेश।

- जो भी हनुमान जी के चरणों में शरण लेते हैं, उनके सारे कष्ट दूर हो जाते हैं।

श्याम चालीसा भजत हुँ जयति खाटू नरेश।

- मैं श्याम चालीसा का पाठ करता हूँ और खाटू के नरेश (श्याम बाबा) की महिमा का गुणगान करता हूँ।

चौपाई

वन्दहुँ श्याम प्रभु दुःख भंजन। विपत विमोचन कष्ट निकंदन।

- मैं श्याम प्रभु की वंदना करता हूँ, जो दुखों को हरने वाले और कष्टों को समाप्त करने वाले हैं।

सांवल रूप मदन छविहारी। केसर तिलक भाल दुतिकारी।

- श्याम जी का सुंदर सांवला रूप, जो कामदेव की छवि को भी हर लेता है, और उनके भाल पर केसर का तिलक चमक रहा है।

मौर मुकुट केसरिया बागा। गल वैजयंति चित अनुरागा।

- उनके सिर पर मोर का मुकुट है, केसरिया वस्त्र धारण किए हुए हैं, और गले में वैजयंती माला है।

नील अश्व मौरछडी प्यारी। करतल त्रय बाण दुःख हारी।

- श्याम जी नीलवर्ण के घोड़े पर सवार हैं और उनके हाथों में तीन बाण हैं, जो सभी दुखों को हरते हैं।

सूर्यवर्च वैष्णव अवतारे। सुर मुनि नर जन जयति पुकारे।

- वह सूर्य के समान तेजस्वी और वैष्णव अवतार हैं। देवता, मुनि, और मनुष्य उनकी जय-जयकार करते हैं।

पिता घटोत्कच मोर्वी माता। पाण्डव वंशदीप सुखदाता।

- श्याम बाबा के पिता घटोत्कच और माता मोरवी हैं। वह पाण्डव वंश के दीपक और सुख के दाता हैं।

बर्बर केश स्वरूप अनूपा। बर्बरीक अतुलित बल भूपा।

- उनके घने बर्बर केश और अनुपम स्वरूप हैं। वह अतुलित बलशाली बर्बरीक हैं।

कृष्ण तुम्हे सुहृदय पुकारे। नारद मुनि मुदित हो निहारे।

- भगवान कृष्ण आपको अपने प्रिय मित्र के रूप में पुकारते हैं और नारद मुनि प्रसन्न होकर आपका दर्शन करते हैं।

मौर्वे पूछत कर अभिवन्दन। जीवन लक्ष्य कहो यदुनन्दन।

- माता मोरवी ने आपको प्रणाम करते हुए आपके जीवन के उद्देश्य के बारे में पूछा।

गुप्त क्षेत्र देवी अराधना। दुष्ट दमन कर साधु साधना।

- आपने गुप्त क्षेत्र में देवी की आराधना की और साधुओं की साधना में सहायता करते हुए दुष्टों का दमन किया।

बर्बरीक बाल ब्रह्मचारी। कृष्ण वचन हर्ष शिरोधारी।

- बाल ब्रह्मचारी बर्बरीक ने भगवान कृष्ण के वचनों को हर्षपूर्वक स्वीकार किया।

तप कर सिद्ध देवियाँ कीन्हा। प्रबल तेज अथाह बल लीन्हा।

- आपने तपस्या करके देवीयों से सिद्धियाँ प्राप्त कीं और अत्यधिक तेज और अपार बल अर्जित किया।

यज्ञ करे विजय विप्र सुजाना। रक्षा बर्बरीक करे प्राना।

- आपने यज्ञ के लिए सुजान ब्राह्मणों की सहायता की और बर्बरीक ने उनकी प्राणों की रक्षा की।

नव कोटि दैत्य पलाशि मारे। नागलोक वासुकि भय हारे।

- आपने नौ करोड़ दैत्यों का संहार किया और नागलोक के राजा वासुकि का भय समाप्त किया।

सिद्ध हुआ चँडी अनुष्ठाना। बर्बरीक बलनिधि जग जाना।

- चंडी अनुष्ठान की सिद्धि प्राप्त करके आप विश्व में बल के भंडार के रूप में प्रसिद्ध हुए।

वीर मोर्वेय निजबल परखन। चले महाभारत रण देखन।

- वीर बर्बरीक अपने बल को परखने के लिए महाभारत का युद्ध देखने के लिए चल पड़े।

माँगत वचन माँ मोर्वि अम्बा। पराजित प्रति पाद अवलम्बा।

- माता मोरवी ने उनसे वचन लिया कि वह हमेशा पराजित पक्ष का सहारा देंगे।

आगे मिले माधव मुरारे। पूछे वीर क्युँ समर पधारे।

- मार्ग में उन्हें भगवान कृष्ण (माधव) मिले, जिन्होंने उनसे पूछा कि वह युद्ध में क्यों आए हैं।

रण देखन अभिलाषा भारी। हारे का सदैव हितकारी।

- बर्बरीक ने बताया कि वह युद्ध देखने की प्रबल इच्छा रखते हैं और हमेशा हारे हुए का पक्ष लेते हैं।

अर्थ:

इस चालीसा में श्याम बाबा (बर्बरीक) की अतुलनीय शक्ति, दानवीरता, और उनकी कृपा का वर्णन है। श्याम बाबा का खाटू धाम भक्तों के लिए मोक्ष का द्वार है। इस चालीसा का पाठ करने से भक्तों के सभी दुख और कष्ट समाप्त हो जाते हैं।

Khatu Shyam Chalisa Lyrics in English

Doha:

Shri Guru padaraj sheeshdhar pratham sumiroo Ganesh.
Dhyaan Sharada hridaydhar bhajoon Bhavani Mahesh.

Charan sharan viplav pade, Hanumat hare kalesh.
Shyam Chalisa bhajat hoon, Jayati Khatu Naresh.

Chaupai:

Vandahoo Shyam Prabhu dukh bhanjan. Vipat vimochan kasht nikandan.

Sanwal roop Madan chavihaari. Kesar tilak bhal dutikari.

Maur mukut kesariya baaga. Gal Vaijayanti chit anuraaga.

Neel ashv maurchhadi pyaari. Kartal tray baan dukh haari.

Suryavarch Vaishnav avataare. Sur muni nar jan jayati pukare.

Pita Ghatotkach Morvi maata. Pandav vanshdeep sukhdaata.

Barbar kesh swaroop anoopa. Barbarik atulit bal bhoopa.

Krishna tumhe suhriday pukare. Narad muni mudit ho niharay.

Morvi poochhat kar abhivandan. Jeevan lakshya kaho Yadunandan.

Gupt kshetra devi aradhana. Dusht daman kar sadhu sadhana.

Barbarik baal brahmachaari. Krishna vachan harsh shirodhari.

Tap kar siddh deviyan keenha. Prabal tej athaah bal leenha.

Yagya kare vijay vipra sujana. Raksha Barbarik kare praana.

Nav koti daitya palaashi maare. Naaglok Vasuki bhay haare.

Siddh hua Chandi anushthana. Barbarik balnidhi jag jaana.

Veer Morvey nijbal parkhan. Chale Mahabharat ran dekhan.

Manghat vachan maa Morvi amba. Paraajit prati paad avlamba.

Aage mile Madhav Murare. Pooche veer kyun samar padhare.

Ran dekhan abhilasha bhaari. Haare ka sadaiv hitkaari.

Teer ek teen lok hilaye. Bal parakh Shri Krishna sankuchaye.

Yadupati ne maya se jaana. Paar apaar veer ko paana.

Dharma yuddh ki det duhai. Manghat sheesh daan Yadurai.

Mansa hogi poorn tihari. Ran dekhoge kahe Murari.

Sheesh daan Barbarik deenha. Amrit varsha sur-muni keenha.

Devi sheesh amrit se seenchat. Keshav dhare shikhar jahan parvat.

Jab tak nabh mandal me taare. Sur muni jan poojenge saare.

Divya sheesh mud mangal moola. Bhaktan hetu sada anukoola.

Ran vijayi Pandav garvaaye. Barbarik tab nyaay sunaye.

Sar kaate tha chakra Sudarshan. Ranchandi karti lahu bhakshan.

Nyaay sunat harshit jan saare. Jag mein gunje jai jayakaare.

Shyam naam Ghanshyam deenha. Ajar amar avinaashi keenha.

Jan hit prakat Khatu dhaama. Lakh data daani Prabhu Shyama.

Khatu dhaam moksh ka dwaara. Shyam kund bahe amrit dhaara.

Shudi Dwadashi Phalgun mela. Khatu dhaam saje alabela.

Ekadashi vrat jyot Dwadashi. Sabal kaaya parlok sudharshi.

Kheer choorma bhog lagat hain. Dukh daridr kalesh katat hain.

Shyam bahadur sanwal dhyaaye. Aalu Singh hriday Shyam basaaye.

Mohan Manoj viplav bhaankhe. Shyam dhani mhari pat raakhe.

Nit prati jo Chalisa gaave. Sakal saadh sukh vaibhav paave.

Shyam naam sam sukh jag naahin. Bhav bhay bandh katat pal maahin.

Doha:

Tribaan de tridosh mukti, darsh de aatma gyaan.
Chalisa de Prabhu bhukti, sumiran de kalyaan.

Khatu nagari dhanya hain, Shyam naam jayagaan.
Agam agochar Shyam hain, viradahin Skand Puraan.

Khatu Shyam Chalisa Meaning in English

Doha

Shri Guru padaraj sheeshdhar pratham sumiroo Ganesh.

- I bow to the sacred dust of the Guru's feet and first remember Lord Ganesh.

Dhyaan Sharada hridaydhar bhajoon Bhavani Mahesh.

- With devotion, I meditate upon Goddess Saraswati and worship Lord Shiva and Goddess Parvati (Bhavani).

Charan sharan viplav pade, Hanumat hare kalesh.

- Those who take refuge at Lord Hanuman's feet are freed from all their sorrows and troubles.

Shyam Chalisa bhajat hoon, Jayati Khatu Naresh.

- I sing the praises of Shyam Chalisa and glorify Khatu Naresh (Shyam Baba).

Chaupai

Vandahoo Shyam Prabhu dukh bhanjan. Vipat vimochan kasht nikandan.

- I worship Lord Shyam, who destroys all suffering and removes all hardships.

Sanwal roop Madan chavihaari. Kesar tilak bhal dutikari.

- Lord Shyam's charming dark form outshines even Cupid, with a shining saffron mark on his

forehead.

Maur mukut kesariya baaga. Gal Vaijayanti chit anuraaga.

- He wears a peacock feather crown, saffron robes, and a Vaijayanti garland, radiating divine affection.

Neel ashv maurchhadi pyaari. Kartal tray baan dukh haari.

- Riding on a blue horse, holding three arrows in his hand, Lord Shyam dispels all sorrow.

Suryavarch Vaishnav avataare. Sur muni nar jan jayati pukare.

- As a radiant Vaishnav incarnation, gods, sages, and humans hail his victory.

Pita Ghatotkach Morvi maata. Pandav vanshdeep sukhdaata.

- His father is Ghatotkacha and his mother is Morvi; he is the shining light of the Pandava dynasty, the giver of joy.

Barbar kesh swaroop anoopa. Barbarik atulit bal bhoopa.

- With long, flowing hair and unparalleled beauty, Barbarik possesses unmatched strength.

Krishna tumhe suhriday pukare. Narad muni mudit ho niharay.

- Lord Krishna affectionately calls him, and Narad Muni watches him with joy.

Morvi poochhat kar abhivandan. Jeevan lakshya kaho Yadunandan.

- Mother Morvi greets him with respect and asks about his life’s goal.

Gupt kshetra devi aradhana. Dusht daman kar sadhu sadhana.

- He performed deep worship of the Goddess in a hidden region, vanquished the wicked, and protected the righteous.

Barbarik baal brahmachaari. Krishna vachan harsh shirodhari.

- Barbarik, the celibate warrior, joyfully accepted Lord Krishna’s words.

Tap kar siddh deviyan keenha. Prabal tej athaah bal leenha.

- Through intense penance, he gained great spiritual powers and immense strength.

Yagya kare vijay vipra sujana. Raksha Barbarik kare praana.

- In sacred rituals for victory, wise Brahmins were protected by Barbarik’s might.

Nav koti daitya palaashi maare. Naaglok Vasuki bhay haare.

- He defeated nine crore demons and eradicated fear in the serpent world ruled by Vasuki.

Siddh hua Chandi anushthana. Barbarik balnidhi jag jaana.

- After successfully completing the Chandi rituals, Barbarik was known worldwide as a treasure of strength.

Veer Morvey nijbal parkhan. Chale Mahabharat ran dekhan.

- The brave Morvey set out to test his power by witnessing the great battle of Mahabharata.

Manghat vachan maa Morvi amba. Paraajit prati paad avlamba.

- His mother Morvi took a vow from him that he would always support the defeated side in

battle.

Aage mile Madhav Murare. Pooche veer kyun samar padhare.

- On his journey, he met Lord Krishna, who asked him why he had come to the battlefield.

Ran dekhan abhilasha bhaari. Haare ka sadaiv hitkaari.

- Barbarik expressed his deep desire to witness the battle and support the weak and defeated.

Teer ek teen lok hilaye. Bal parakh Shri Krishna sankuchaye.

- With one arrow, Barbarik could shake the three worlds, making even Krishna hesitant to test his power.

Yadupati ne maya se jaana. Paar apaar veer ko paana.

- Lord Krishna, through divine vision, understood the vast strength of this mighty warrior.

Dharma yuddh ki det duhai. Manghat sheesh daan Yadurai.

- In the name of dharma (righteousness), Krishna requested Barbarik to offer his head as a sacrifice.

Mansa hogi poorn tihari. Ran dekhoge kahe Murari.

- Krishna promised that Barbarik’s wish to witness the war would be fulfilled.

Sheesh daan Barbarik deenha. Amrit varsha sur-muni keenha.

- Barbarik offered his head, and the gods and sages showered divine nectar in his honor.

Devi sheesh amrit se seenchat. Keshav dhare shikhar jahan parvat.

- The goddess sprinkled nectar on his severed head, which was placed on a mountaintop by Krishna.

Jab tak nabh mandal me taare. Sur muni jan poojenge saare.

- As long as stars shine in the sky, all gods and sages will continue to worship him.

Divya sheesh mud mangal moola. Bhaktan hetu sada anukoola.

- His divine head is a source of auspiciousness and always favorable to his devotees.

Ran vijayi Pandav garvaaye. Barbarik tab nyaay sunaye.

- After their victory, the Pandavas became proud, and Barbarik gave them a lesson in justice.

Sar kaate tha chakra Sudarshan. Ranchandi karti lahu bhakshan.

- He revealed that Goddess Chandi and Krishna’s Sudarshan Chakra were the real forces behind the victory.

Nyaay sunat harshit jan saare. Jag me gunje jai jayakaare.

- On hearing this truth, the people rejoiced, and victory chants echoed across the world.

Shyam naam Ghanshyam deenha. Ajar amar avinaashi keenha.

- Krishna blessed him with the eternal name “Shyam” and made him immortal.

Jan hit prakat Khatu dhaama. Lakh data daani Prabhu Shyama.

- Lord Shyam appeared in Khatu for the welfare of the people and became known as a great benefactor.

Khatu dhaam moksh ka dwaara. Shyam kund bahe amrit dhaara.

- Khatu Dhaam is a gateway to salvation, where the sacred Shyam Kund flows with divine nectar.

Ekadashi vrat jyot Dwadashi. Sabal kaaya parlok sudharshi.

- Observing Ekadashi fast and lighting the sacred flame on Dwadashi brings spiritual upliftment and well-being.

Kheer choorma bhog lagat hain. Dukh daridr kalesh katat hain.

- Offerings of kheer and choorma are made, and all sorrows, poverty, and troubles are removed.

Nit prati jo Chalisa gaave. Sakal saadh sukh vaibhav paave.

- Those who recite this Chalisa daily attain all worldly and spiritual happiness.

Shyam naam sam sukh jag naahin. Bhav bhay bandh katat pal maahin.

- There is no greater joy than chanting Shyam’s name; it instantly frees one from the fear of worldly bondage.

Doha

Tribaan de tridosh mukti, darsh de aatma gyaan.

- O Lord, grant freedom from the three defects (physical, mental, and spiritual) and give the vision of self-realization.

Chalisa de Prabhu bhukti, sumiran de kalyaan.

- This Chalisa brings worldly success and well-being through constant remembrance of Shyam.

Khatu nagari dhanya hain, Shyam naam jayagaan.

- The city of Khatu is blessed, where the glory of Shyam’s name is constantly celebrated.

Agam agochar Shyam hain, viradahin Skand Puraan.

- Lord Shyam is beyond human comprehension and is described as divine in the Skanda Purana.